



Hargharpanditji

॥ दैनिक शिव पूजा विधि ॥

ॐ नमः शिवाय

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ दैनिक शिव पूजा विधि ॥

प्रातःकाल की तैयारी

प्रातः ब्रह्म मुहूर्त या सूर्योदय से पहले
उठें।

स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
पूजा स्थान को साफ करें और
भगवान शिव का ध्यान करें।

पूजा सामग्री

शिवलिंग या भगवान शिव की प्रतिमा
जल एवं गंगाजल
बेलपत्र
अक्षत (चावल)
चंदन
धूप और दीप
सफेद पुष्प
दूध, दही, शहद, घी, शक्कर (यदि
अभिषेक करना हो)
फल एवं नैवेद्य

पूजा विधि

ध्यान

सबसे पहले भगवान शिव का ध्यान
करें —

॥ करचरणकृतं वाक्कायजं कर्मजं वा

|

श्रवणनयनजं वा मानसं वापराधम् ॥

फिर मन में "ॐ नमः शिवाय" का
जप करें।

जल अर्पण

शिवलिंग पर शुद्ध जल एवं गंगाजल अर्पित करें।

मंत्र

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

पंचामृत अभिषेक

दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से अभिषेक करें।

अंत में पुनः जल से स्नान कराएं।

महामृत्युंजय मंत्र बोलें

॥ ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

चंदन एवं अक्षत अर्पण

शिवलिंग पर चंदन और अक्षत चढ़ाएं।

बेलपत्र अर्पण

तीन पत्तियों वाला बेलपत्र शिवजी को अत्यंत प्रिय है।

बेलपत्र चढ़ाते समय मंत्र बोलें

॥ त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रयायुधम् ।
त्रिजन्मपापसंहारं एकबिल्वं शिवार्पणम् ॥

धूप और दीप

धूप एवं दीप जलाकर भगवान शिव की आरती करें।

शिव मंत्र जाप

कम से कम 108 बार जाप करें

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

आरती

शिव आरती करें —

॥ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

प्रार्थना

अंत में भगवान शिव से सुख, शांति और
कल्याण की प्रार्थना करें।

॥ त्वमेव माता च पिता त्वमेव ।
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव ॥

पूजा के विशेष नियम

शिव पूजा में केतकी का फूल नहीं चढ़ाना
चाहिए।

शिवलिंग पर हल्दी एवं तुलसी नहीं चढ़ाई
जाती।

बेलपत्र खंडित न हो।

शिवजी को सफेद पुष्प अत्यंत प्रिय हैं।

दैनिक शिव पूजा के लाभ

मन को शांति मिलती है

नकारात्मकता दूर होती है

परिवार में सुख-समृद्धि आती है

भय एवं रोगों से रक्षा होती है

भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है

॥ हर हर महादेव ॥